चन्द्रमा - 1

संदर्भ के पिछले अंक में अरविंद गुप्ते के इसी लेख के ज़रिए चन्द्रमा से संबंधित कुछ सवाल पूछे गए थे। हमारा आकलन था कि चूंकि चांद आकाश में एक प्रभावशाली पिंड है और लोगों की ज़िंदगी से इतना जुड़ा हुआ है, इन प्रश्नों के बारे में काफी लोग लिखेंगे। परन्तु ऐसा नहीं हुआ। इसलिए एक और प्रयास कर रहे हैं, फिर से वही प्रश्न दोहरा कर – यह मानते हुए कि अंत की तरफ होने की वजह से शायद पिछली बार इस लेख पर आपकी नज़र ही न पड़ी हो।

सही जवाब देने वालों को टेलिस्कोप निर्माण कार्यशाला में भाग लेने का निमंत्रण होगा – उनकी समस्त व्यवस्था 'संदर्भ' द्वारा की जाएगी। अन्य रुचिकर व तकरीबन सही जवाबों के लिए आकाश दर्शन से संबधित पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। आपके सही जवाब हमें 1 जनवरी तक मिल जाने चाहिए।

सवाल:

1. अमावस्या के दिन चंद्रमा बिलकुल दिखाई नहीं देता है। वह कहां चला ज़ाता है?
2. चित्र-1 में एक गलती है। बताइए चित्रकार ने क्या गलती की है।

चित्र:1

3. चित्र-2 में क्या गलती है?

चित्र:2

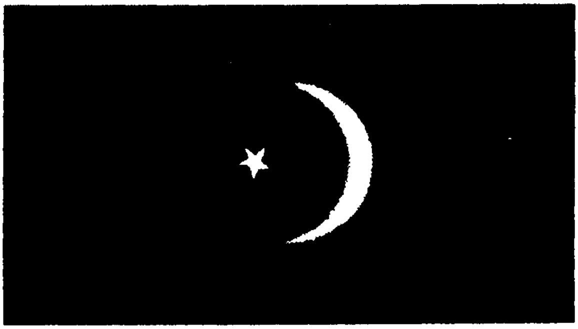

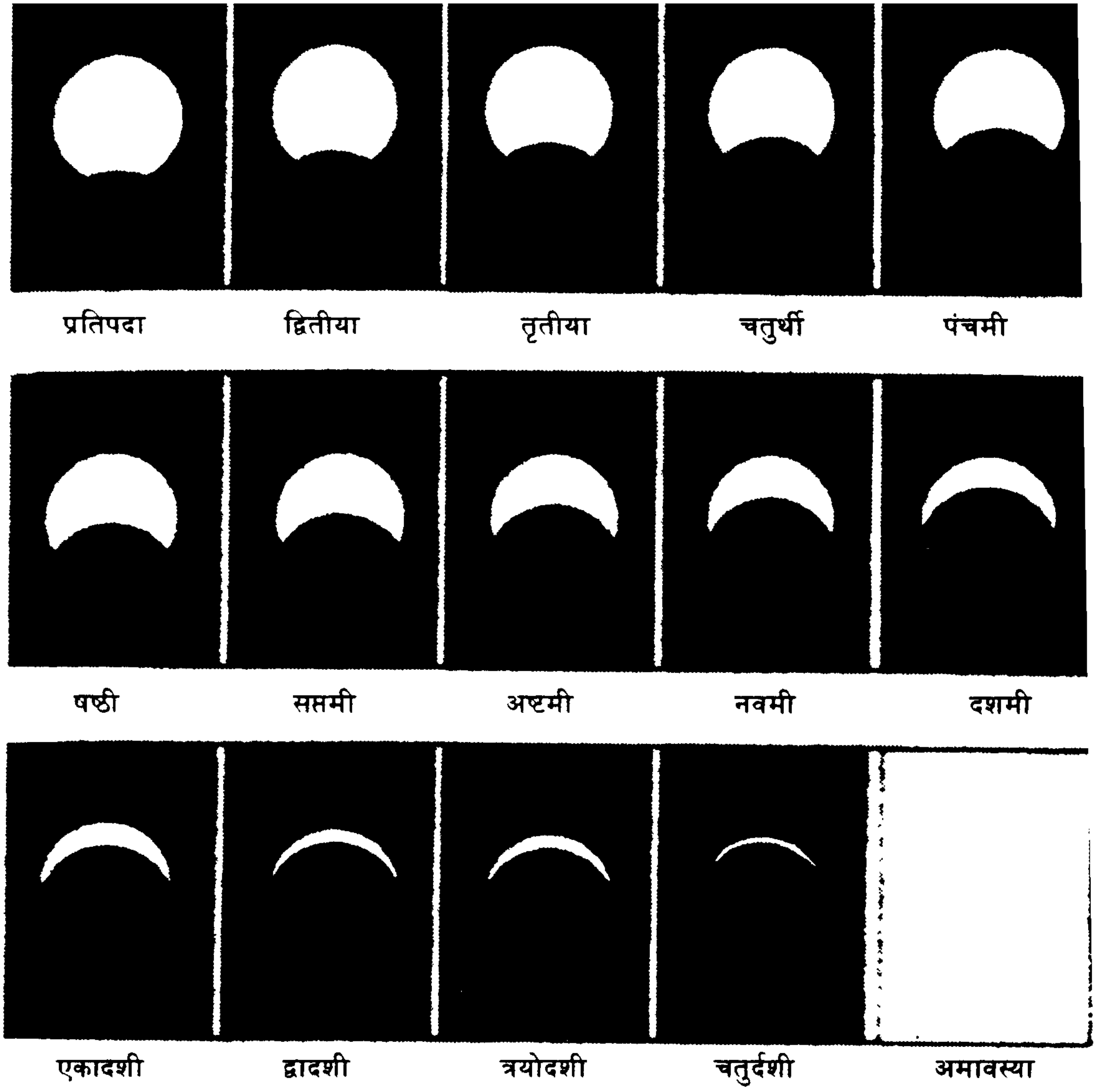

कृष्ण पक्ष *चित्र:3*

4. चित्र-3 एक पाठ्यपुस्तक से लिया गया है। इसमें कई त्रुटियां हैं। इन त्रुटियों को पहचानिए।
5. भूमध्य रेखा पर कभी-कभी चंद्रमा की कला ऐसी दिखाई पड़ती है जैसी चित्र-4 में दिखाई गई है।
   - यह भारत में कैसी दिखाई देती है? क्यों?
   - ध्रुवों पर यह कैसी दिखाई देगी? क्यों?

अरविंद गुप्ते: एकलव्य के होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम से संबद्ध; इंदौर में रहते हैं। पूर्व में वे प्राणीशास्त्र के प्राध्यापक रह चुके हैं।

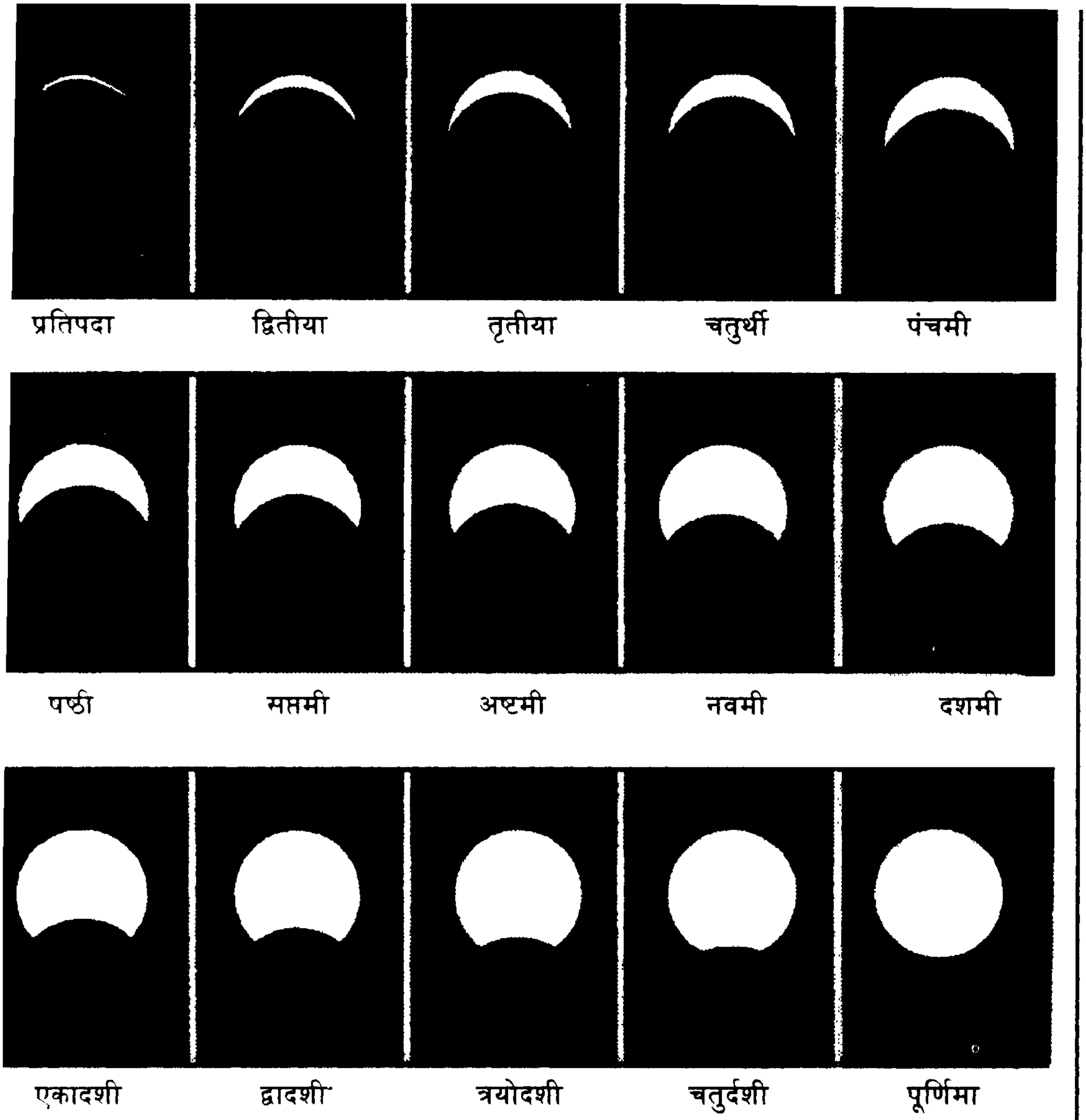
प्रतिपदा
द्वितीया
तृतीया
चतुर्थी
पंचमी
षष्ठी
सप्तमी
अष्टमी
नवमी
दशमी
एकादशी
द्वादशी
त्रयोदशी
चतुर्दशी
पूर्णिमा

शुक्ल पक्ष
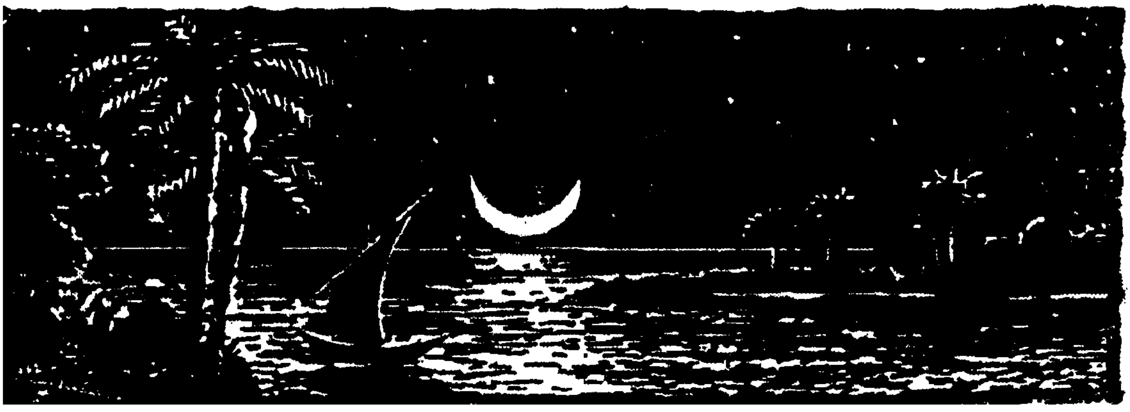
चित्र:4